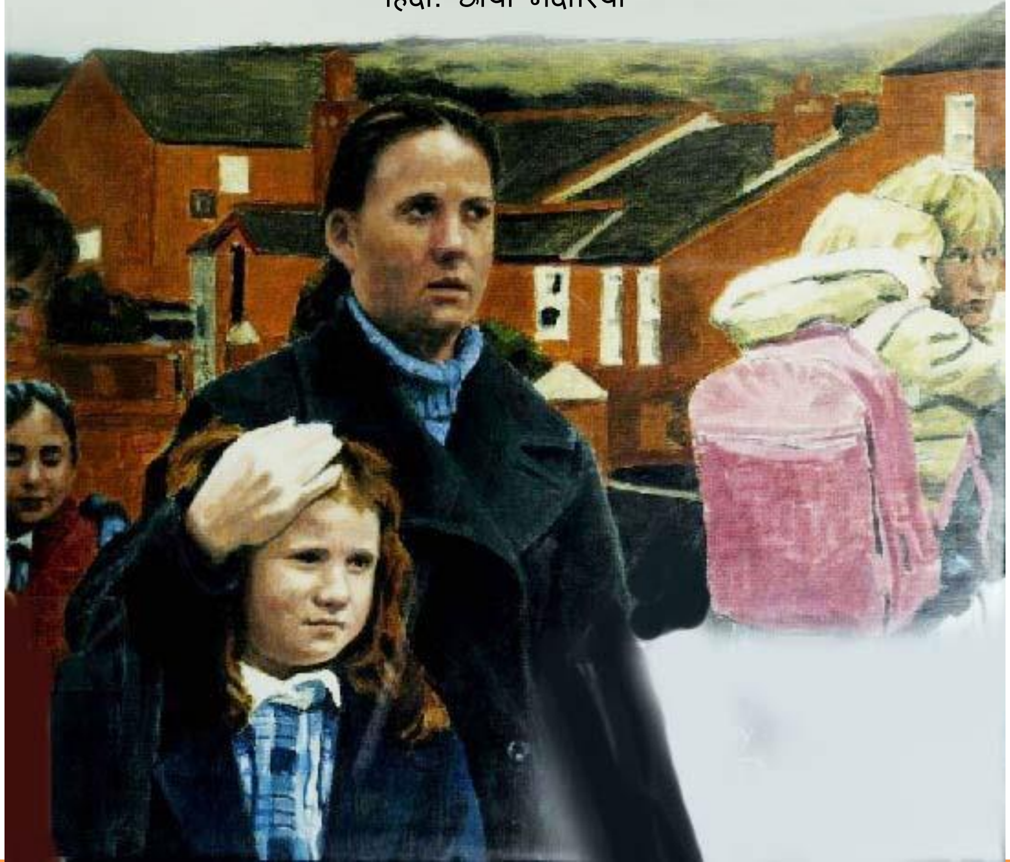
उत्तरी आयरलैंड की कहानी

पैदल स्कूल जाना

ईव बंटिंग

हिंदी: छाया भदौरिया



यदि आप उत्तरी आयरलैंड के बेलफ़ास्ट में रहते हैं तो पैदल स्कूल जाना खतरे से खाली नहीं है। और इससे भी ज़्यादा खतरा तो तब है जब आप एलीसन की तरह कैथोलिक हैं और आपके स्कूल का एकमात्र मार्ग एक विरोधी पड़ोस से होकर जाता है।

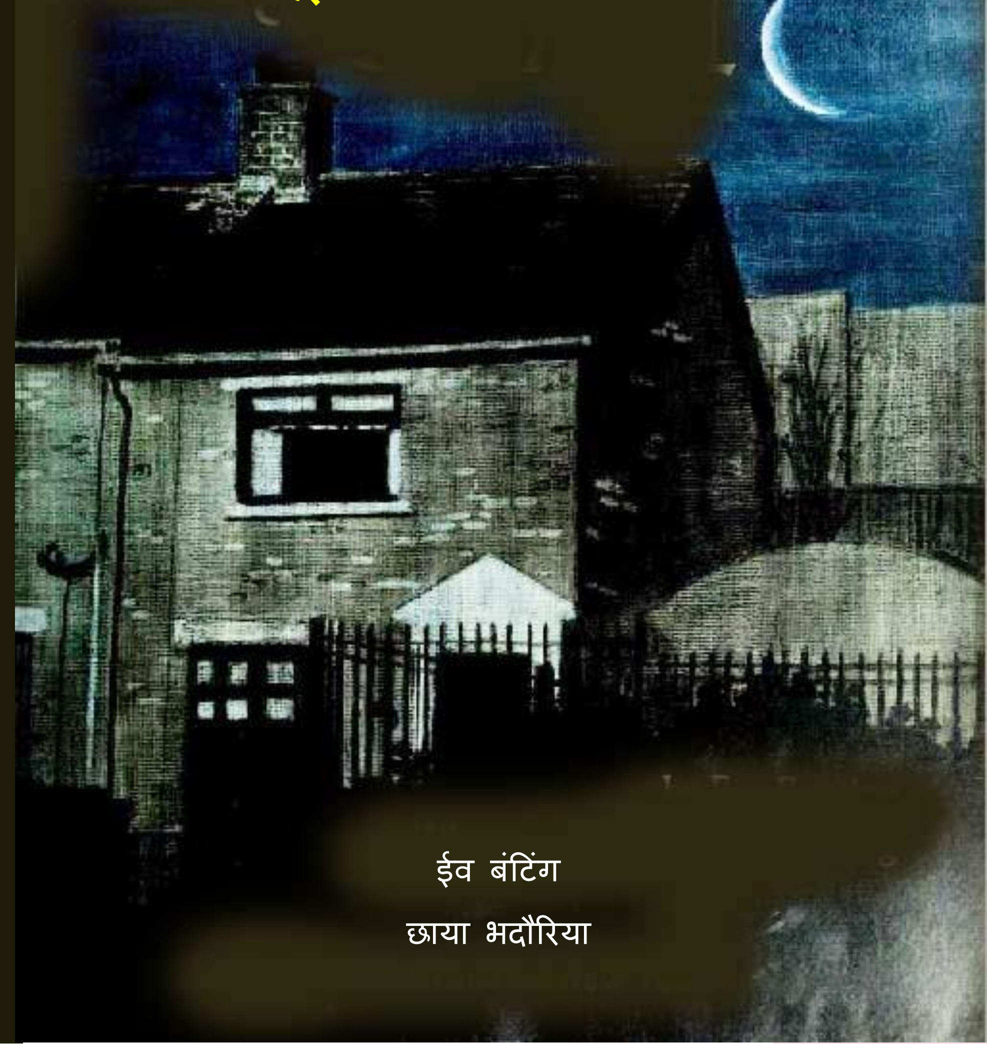
प्रोटेस्टेंट वयस्क, जो सेंट क्लेयर के रास्ते में सड़क पर खड़े थे, के तीखे शब्दों और धमकियों ने एलीसन को डरा दिया, जबकि उसकी माँ उसके साथ थी।

लेकिन उसके चाचा सहित कुछ कैथोलिक वयस्कों के गुस्सैले व्यवहार ने उसकी माँ को भी भयभीत कर दिया।

एक बार फिर, ईव बंटिंग ने जटिल समसामयिक स्थिति को आसानी से समझने का तरीका खोज़ निकाला। उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि कभी-कभी दया की एक किरण हिंसा के मार्ग को काट सकती है।

उत्तरी आयरलैंड की कहानी

पैदल स्कूल जाना



ईव बंटिंग

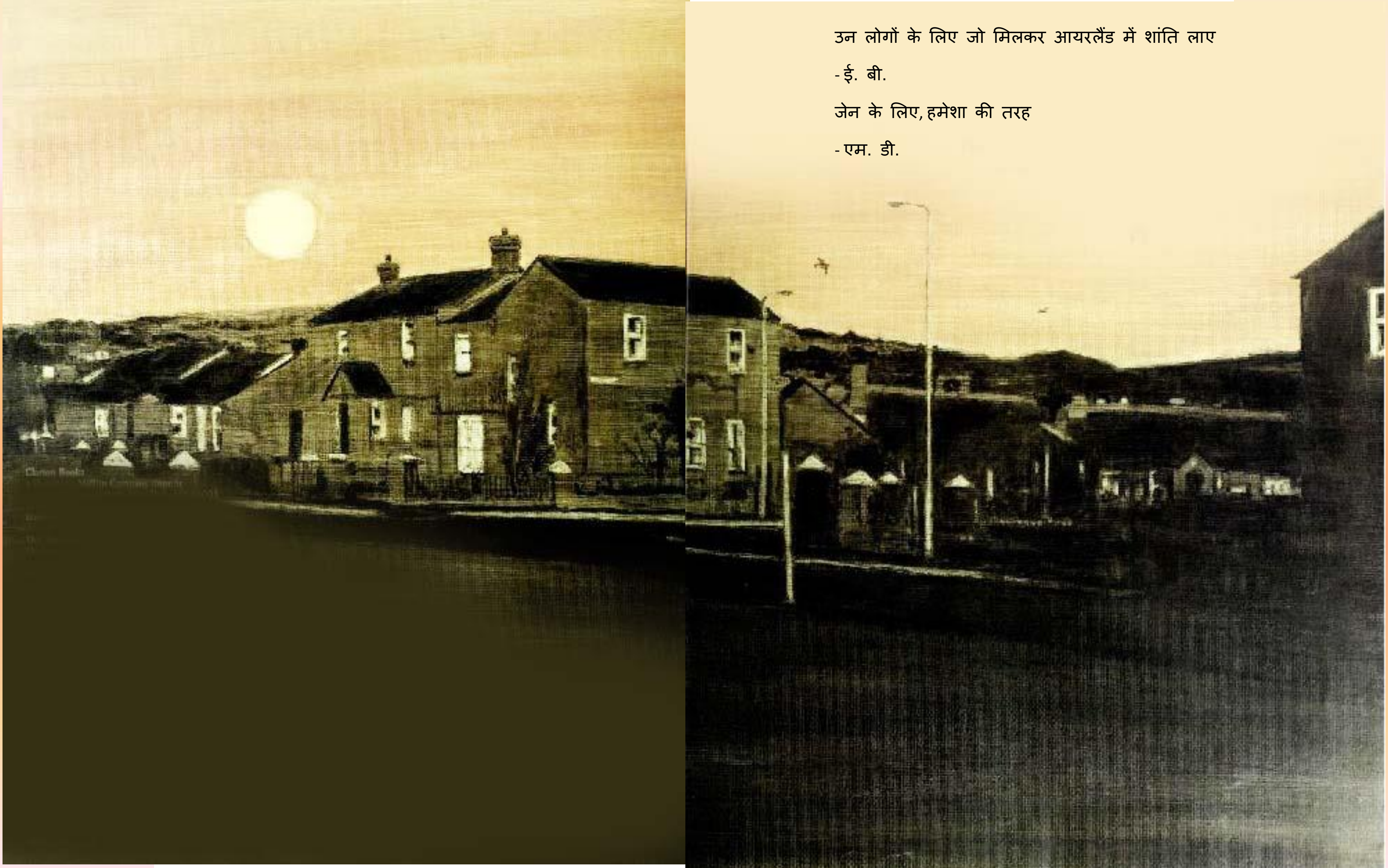
छाया भदौरिया

उन लोगों के लिए जो मिलकर आयरलैंड में शांति लाए

-ई. बी.

जेन के लिए, हमेशा की तरह

-एम. डी.



जैसे ही मैं सोकर उठती हूँ, मुझे वह पीला वॉलपेपर दिखाई देता है जिसे मैंने और माँ ने पिछले सप्ताह लगाया था। मेरा बेडरूम बहुत अच्छा लग रहा है। एक मिनट के लिए मैं खुश होती हूँ, लेकिन तभी मुझे बीता हुआ कल याद आता है, और मैं वहीं लेट जाती हूँ, फिर जो हुआ उसके बारे में सोचती हूँ। मैं प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक के बारे में सोचकर हैरान होती हूँ। क्या वे अन्य देशों में भी एक-दूसरे से इतनी ही नफरत करते हैं जितनी वे यहाँ उत्तरी आयरलैंड में करते हैं? वैसे मैं इस तरह की घटनाओं के बारे में ज्यादा सोचती तो नहीं हूँ, लेकिन मैं क्या करूँ? कल की घटना मुझे बार-बार याद आ रही है।

मेरी माँ मुझे नीचे से बुला रही हैं। "एलीसन, मेरी प्यारी बच्ची। उठने का समय हो गया है।"

मैं कम्बल के अंदर और सिकुड़कर लेट जाती हूँ।

यह स्कूल का दूसरा दिन है और मैं स्कूल नहीं जाना चाहती। काश, मैं बिस्तर पर ही सही सलामत लेटी रहती, लेकिन मेरे लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं है। मैंने यह नया स्कूल शुरू ही क्यों किया, जिसमें मेरी माँ तब जाती थीं, जब वह मेरी उम्र की थीं। काश हम कहीं और चले गए होते। लेकिन ये भी तो हो सकता है कि आज प्रोटेस्टेंट वहाँ न हों।

यही सोचते हुए जैसे-तैसे मैं बिस्तर से उठ खड़ी हुई।

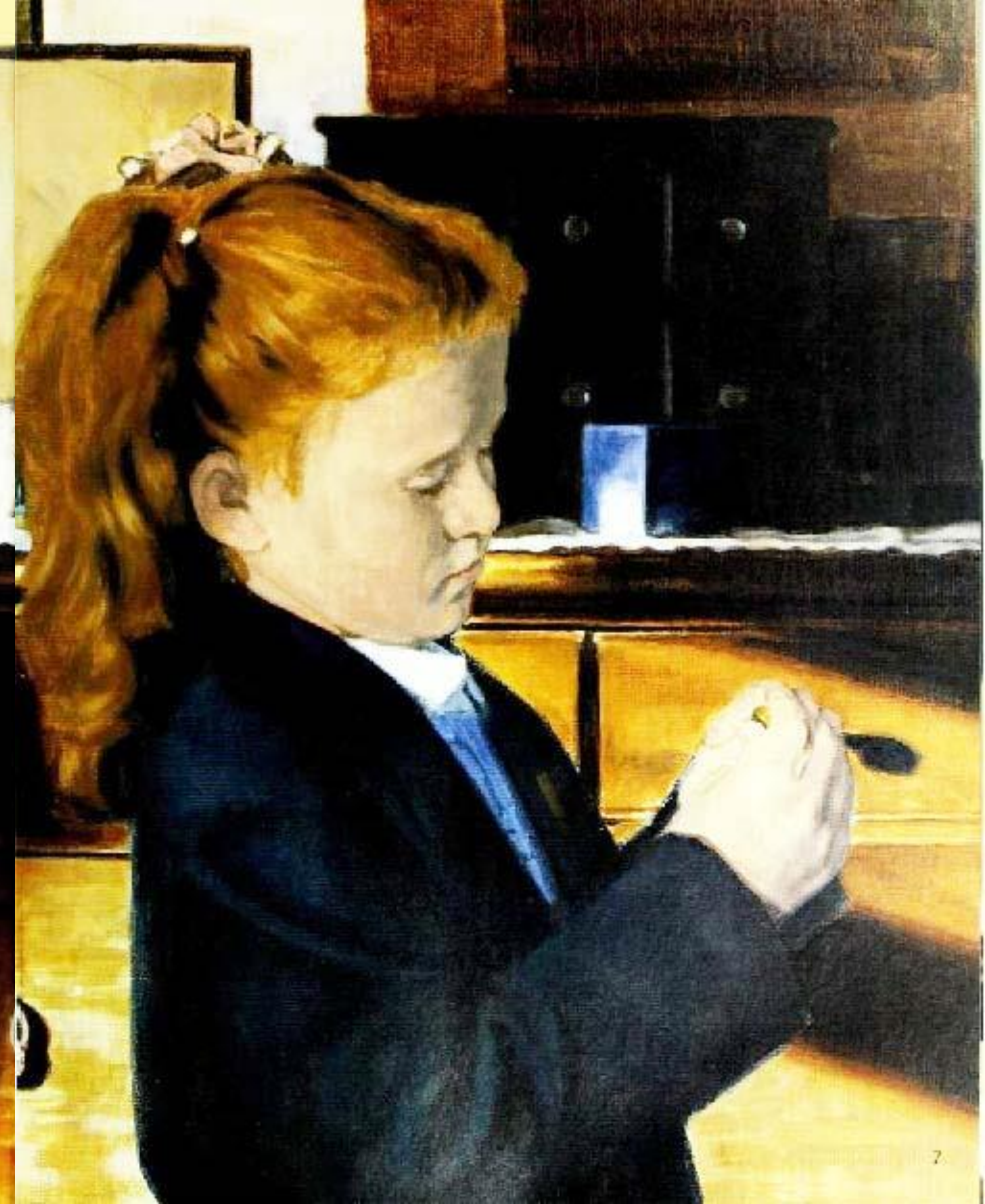


मेरी स्कूल यूनिफॉर्म कुर्सी पर रखी हुई है। मैंने इसे पहन लिया। मुझे अपनी स्कूल यूनिफॉर्म बहुत ही पसंद आई और पूरी गर्मियों भर मैं इसके बारे में सोचती रही। खासकर पीतल के बटनों वाला वो ब्लेज़र जिसकी जेब पर स्कूल का प्रतीक चिह्न 'सेंट क्लेयर प्राइमरी स्कूल फॉर गर्ल्स' लगा हुआ था।

लेकिन अब मुझे यह पसंद नहीं है।

मेरी ड्रेसिंग टेबल पर नीले रंग का एक डिब्बा है। मैं उसमें से अपना भाग्यशाली टाइगर्स-आई मार्बल (चीते की आँखों जैसा कंचा) निकालती हूँ। मैंने इसे पिछले साल जॉन स्वीनी से जीता था, और मैंने उसके साथ जितने भी खेल खेले सभी जीते। जब मैं इसे प्रकाश में ले जाती हूँ, तो ऐसा लगता है जैसे चलते हुए भूरे बादलों के बीच से कोई शुद्ध सोने की चीज़ चमक रही है। टाइगर्स-आई मार्बल मेरी सबसे पसंदीदा चीज है। मैं इसे अपने ब्लेज़र की जेब में रख देती हूँ और एकदम धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतरती हूँ।





माँ कहती हैं, "सुप्रभात, मेरी बच्ची, आज तो तुम एक तस्वीर की तरह सुन्दर दिख रही हो!" वह मुझे नाश्ते में एक कटोरा कॉर्नफ्लेक्स देती हैं और अपना एक एप्रन मेरे गले में बाँध देती हैं ताकि मेरे नए कपड़ों पर दलिया न गिरने पाए।

"क्या डैडी हमें स्कूल ले जा रहे हैं?" मैं पूछती हूँ।

"नहीं, मेरी बच्ची। वह एक और दिन की छुट्टी नहीं ले सकते।

लेकिन तुम्हारे चाचा फ्रैंक आ रहे हैं।"

मैं अपना सिर नीचे झुकाए कॉर्नफ्लेक्स खाती रही। मैं अपने चाचा फ्रैंक से प्यार करती हूँ। नहीं, मैं उनसे प्यार करती थी। लेकिन अब मुझे यकीन नहीं है कि मैं उनको और प्यार कर पाऊँगी। वे मेरे लिए अच्छे हैं। लेकिन मैं अब उनके बारे में कुछ ऐसा जानती हूँ जो मेरे मम्मी पापा नहीं जानते और जिससे मुझे डर लगता है।





एक बार जब मेरे माता-पिता घर से बाहर गए हुए थे और मेरे चाचा फ्रैंक मेरी देखभाल के लिए घर पर थे, उस रात मैंने चाचा फ्रैंक और उनके दोस्तों को हमारी रसोई में कुछ फुसफुसाते हुए सुना। उन्हें लगा कि मैं ऊपर सो रही हूँ।

"लियाम कॉनर्स को सबक सिखाया जाना चाहिए," उन्होंने कहा था। और भी कुछ भयानक बातें। उनकी आवाज धीमी और डरावनी थी। मैं लिविंग रूम के दरवाज़े के पीछे अपनी नाइट ड्रेस में खड़ी काँप रही थी।





अब मुझे सामने के दरवाज़े से अंकल की चाबी से दरवाज़ा खोलने की आवाज़ सुनाई देती है, और मेरी माँ मुस्कुराती हैं। "वे स्वयं यहाँ आ गए!" मम्मी कहती हैं।

अंकल फ्रैंक अपने हाथों को आपस में रगड़ते हुए रसोई में आते हैं। "ये दाँत किटकिटाने वाली ठंड", वे कहते हैं।

आप कैसी हैं? वह माँ से पूछते हैं और फिर वह मेरी ओर मुड़ते हैं। मेरी सबसे प्यारी बिटिया कैसी है? वह मीठे बादाम का एक थैला मेरे सामने रखते हैं।

"ओफ़ हो, फ्रैंकी, तुम उसे बिगाड़ रहे हो, माँ कहती हैं।

मम्मी उन्हें एक कप चाय देती हैं, और अंकल वहाँ खड़े-खड़े ही पीते हैं।

"क्या हम लड़ाई के लिए तैयार हैं?" वे पूछते हैं, और मैं कह सकती हूँ कि वे सोच रहे हैं कि आगे क्या होने वाला है।

अंकल फ्रैंक बहुत बड़े और ताकतवर आदमी हैं। उनकी आँखें नीली और हँसमुख् हैं। उस रात को जो कुछ मैंने सुना, मुझे क्यों सुनना पड़ा?

क्या आपने टीवी पर तस्वीरें देखीं? वे मम्मी से पूछते हैं।

मम्मी ने सिर हिलाया। मैं खाने में मस्त थी।

"यह कुल मिलाकर बहुत अच्छा था।" अंकल फ्रैंक कहते हैं। "वे सभी कैथोलिक बच्चे अपने स्कूल जाने की कोशिश कर रहे हैं और वे सभी बड़े प्रोटेस्टेंट ठग उन पर पत्थर फेंक रहे हैं और अपमान कर रहे हैं। इससे लोगों को पता चलेगा कि प्रोटेस्टेंट वास्तव में कैसे हैं।"

मैंने कल सुबह स्वयं उन प्रोटेस्टेंटों को व्यक्तिगत रूप से देखा था। उनमें से कुछ ने हम पर थूका था। पर मैं सचमुच भाग्यशाली थी जो इससे बच गई। लेकिन किसी ने ऐनी मैकगोवन के कंधे पर बहुत ज़्यादा ही थूक दिया था जो कि देखने में एक झागदार बुलबुला सा लग रहा था। वह उसके कंधे पर ही पड़ा रहा, जब तक कि उसकी माँ ने उसे पोंछ नहीं दिया।

मुझे अपने बाकी कॉर्नफ्लेक्स नहीं चाहिए।

अंकल फ्रैंक अपना कप नीचे रखते हुए कहते हैं। "हाँ। वे तो बहुत बुरे लोग हैं"।



लेकिन क्या हम भी बहुत बुरे हैं? मैं आश्चर्यचकित हूँ। उन बातों का क्या, जो मैंने उस रात अंकल फ्रैंक को कहते हुए सुनी? "लियाम कॉनर्स को सबक सिखाया जाना चाहिए। वह पब में जाकर उन प्रोटेस्टेंट से बाते कर रहा है।"

"मुझे लगता है कि वह उन्हें हमारे बारे में सब कुछ बता रहा होगा।" जॉन ब्रैडली कहते हैं।

"मैंने सुना है कि वह एक प्रोटेस्टेंट लड़की के साथ बाहर घूम रहा है।" हेनरी मैक्एफ़ी ने कहा।

तब वहाँ इतना सन्नाटा था कि मैं अपने दिल की धड़कन सुन रही थी।

"कल रात," मेरे चाचा फ्रैंक ने कहा।

और कुछ अन्य लोगों ने भी वही दोहराया, "कल।"



मैं बिस्तर पर वापस चली गई और आश्चर्यचकित होकर सोचने लगी कि मैंने क्या सुना था और इसका क्या मतलब था। बेचारा लियाम, वह जो भी था। बहुत बड़ी मुसीबत में फँसने वाला था।

दो दिन बाद क्रुमलिन रोड की एक गली में लियाम कॉनर्स नामक एक युवा साथी बेहोशी की हालत में पाया गया जिसे किसी ने बुरी तरह से पीटा था। उसके दोनों पैर टूट चुके थे। मेरी माँ उसे थोड़ा-बहुत जानती थीं। वह उस दुकान में काम करता था जहाँ से वह ब्रेड खरीदती थीं।

"यह तो भयानक घटना है।" मम्मी ने कहा था। "और वह तो इतना प्यारा सा छोटा लड़का है।"

मैं जानती हूँ कि मेरे अंकल फ्रैंक का लियाम कॉनर्स की पिटाई से कुछ लेना-देना था, और जब भी मैं अंकल फ्रैंक को देखती हूँ तो मुझे लियाम की घटना याद आती है।

"क्या हम तैयार हैं?" अंकल पूछते हैं, और मेरी माँ मेरे ऊपर से एप्रन उठाती हैं। मेरे बाल कंघी करती हैं।

"हाँ हम तैयार हैं," माँ कहती हैं।

अंकल फ्रैंक चाय के कप को सिंक में रख देते हैं। "आओ चलें!"



जब भी हम सड़क पर निकलते हैं तो माँ मेरा हाथ पकड़ लेती हैं और अंकल फ्रैंक ड्यूटी पर तैनात गार्ड की तरह हमारे आगे-आगे चलते हैं। अभी गार्ड की जरूरत नहीं है। हम जहाँ रहते हैं वहाँ कोई खतरा नहीं है। यह सब कैथोलिक हैं।

अन्य बच्चे भी अपने माता-पिता के साथ सेंट क्लेयर जा रहे हैं, और हम एक-दूसरे का इंतजार कर रहे हैं ताकि हम ड्रमंड स्ट्रीट पर एक साथ चल सकें। वहाँ हम लोगों की अच्छी खासी भीड़ है।



ड्रमंड एक प्रोटेस्टेंट क्षेत्र है, लेकिन हमें अपने स्कूल जाने के लिए इस क्षेत्र से ही गुज़रना पड़ता है। यही तो एक समस्या है। मेरी माँ कहती हैं कि सेंट क्लेयर जाने वाले बच्चों को हमेशा इसी रास्ते से जाना पड़ता है। जब मेरी माँ और उनकी सहेलियाँ जब इस सड़क से गुज़रती थीं तो कोई भी उन्हें परेशान नहीं करता था। ऐसा लग रहा है मानो प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक अब एक-दूसरे से और अधिक नफरत करते हैं।



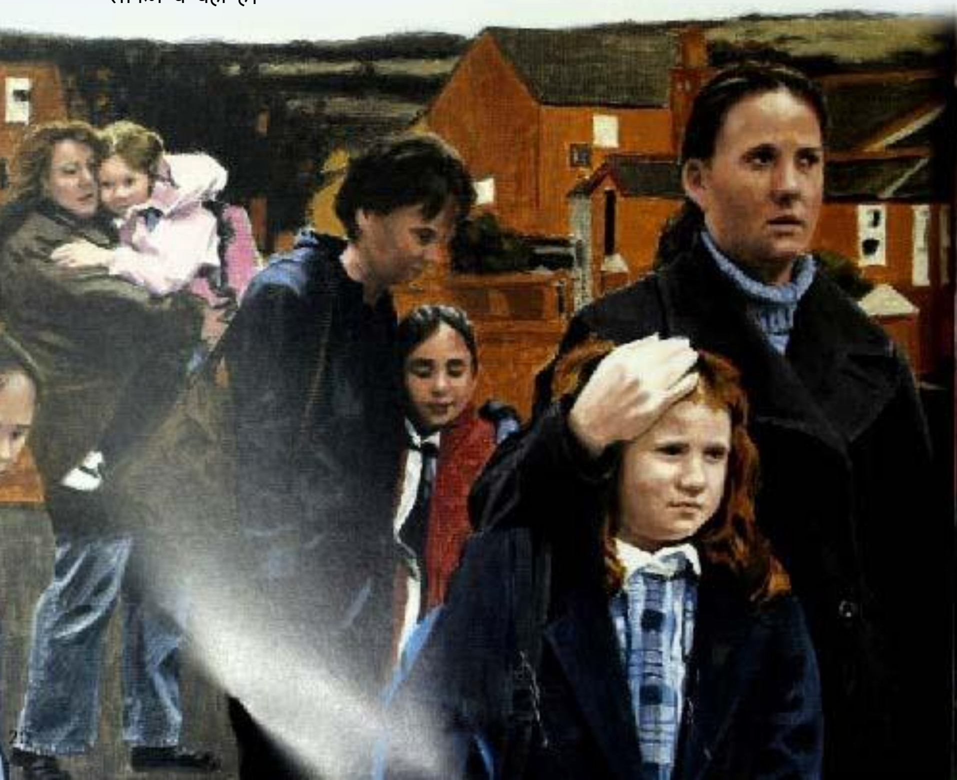
ड्रमंड पर रहने वाले प्रोटेस्टेंट पंक्तिबद्ध होकर हमारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। मैं उन्हें आगे देख सकती हूँ। मैं अपनी जेब के अंदर अपने भाग्यशाली मार्बल को मुट्ठी में बंद कर लेती हूँ।

बहुत ही डरावना शोर है। वे हॉर्न और सीटियाँ बजा रहे हैं और कूड़ेदानों के धातु के ढक्कनों को बजा रहे हैं।

उनमें से कुछ ने डरावने हेलोवीन मुखौटे पहने हुए हैं। वे ऐसी बातें चिल्ला रहे हैं जो मैं सुनना नहीं चाहती। मैं अपने हाथों से कानों को बंद करना चाहती हूँ, लेकिन इस स्थिति में मुझे अपने भाग्यशाली कंचे को छोड़ना पड़ेगा।

मेरी माँ मुझ पर चिल्लाते हुए कहती हैं, "अपनी आँखें इधर-उधर मत घुमाओ। सीधे सामने देखते हुए ऐसे चलो कि प्रोटेस्टेंट वहाँ नहीं हैं।"

लेकिन वे वहाँ हैं।



कल की तुलना में आज उनकी संख्या बहुत अधिक है। आज उनके साथ बच्चे भी हैं।

पूरी भीड़ चिल्ला रही है। लोग गालियों पर गालियाँ दिए जा रहे हैं और अपशब्द बोल रहे हैं। मैं अभी आठ साल की हूँ और मैंने उनमें से कुछ शब्द पहले भी सुने हैं, लेकिन उन छोटे बच्चों का क्या? उनमें से कुछ तो सिर्फ चार साल के ही हैं। प्रोटेस्टेंटों के पास डंडे भी हैं लेकिन उन्होंने मार-पिटाई शुरू नहीं की। वे अब तक उन्हें हवा में ही लहरा रहे हैं।



हमारे सामने पत्रकार उल्टे पैर चल रहे हैं। एक माइक्रोफोन में चिल्ला रहा है। "कल स्कूल जाते समय इन छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए ड्रमंड स्ट्रीट पर सैनिक होंगे!"

"यही तो चाहिए!" अंकल फ्रैंक चिल्लाते हैं। वे उत्साहित और खुश हैं। मैं अपने रास्ते पर आगे बढ़ रही हूँ। अचानक, कोई मेरा ब्लेज़र पकड़ लेता है और मेरा एक बटन तोड़ देता है। मैं नीचे झुककर उसे पाने की कोशिश कर रही हूँ, लेकिन वह लुढ़कता ही जा रहा है।





और फिर मैं एक प्रोटेस्टेंट लड़की को देखती हूँ जो मेरी ही उम्र की है। उसने गुलाबी रंग के ऊँची एड़ी वाले टेनिस जूते पहन रखे हैं और वह अपने हाथों और घुटनों के बल झुककर प्रोटेस्टेंटों के पैरों के बीच में जा-जाकर मेरा बटन ढूँढ़ रही है। वह मेरा बटन चाहती है! जैसे वह एक कैथोलिक स्मारिका हो। लोग उसे धक्का दे रहे हैं। कोई उसके हाथ पर पैर भी रख देता है। लेकिन वह मेरा बटन ढूँढ़ लेती है, उसे उठाती है और फिर घुटनों के बल चलकर मेरी ओर आती है। वह खड़ी होती है और बटन मेरी तरफ़ बढ़ाती है। उसके बाल घुँघराले और भूरे हैं और उसने गहरे नीले रंग का स्वेटर पहना हुआ है।

"यह आपका है क्या?" वह पूछती है।

"हाँ," मैं कहती हूँ। "धन्यवाद।"

मैंने उसके बारे में जो भी सोचा था, सब गलत था। इससे मुझे बुरा लगता है।

"एलीसन। तुम्हें उससे बात नहीं करनी है!" माँ ने अभी भी मेरा हाथ कसकर पकड़ा हुआ है और वह मुझे खींच रही हैं।

अंकल फ्रैंक क्रूर हैं। वे चिल्लाते हैं, "मेरी बेटी से दूर हो जाओ, तुम सब बहुत बुरे प्रोटेस्टेंट हो।"

लड़की डरते हुए एक कदम पीछे हट जाती है।

"मेरी माँ ने मुझे यहाँ आने के लिए कहा था, मैं यहाँ नहीं आना चाहती थी। मुझे इससे नफरत है।" वह लड़की चिल्लाकर मुझसे कहती है।



"मैं भी यहाँ नहीं आना चाहती थी।" मैं अपनी जेब से टाइगर्स-आई मार्बल निकालती हूँ और कहती हूँ, "ये लो। यह आपके लिए है। यह बहुत भाग्यशाली है।" वह मुझसे पीछे काफ़ी दूर है। मुझे उसके हाथ तक पहुँचने के लिए पीछे की ओर बढ़ना होगा।

वह मार्बल को झट से अपनी उँगलियाँ से बंद कर लेती है, और फिर मुट्ठी खोलकर मारबल को देखती है। "धन्यवाद," वह कहती है।



एक या दो सेकंड के लिए मुझे मार्बल की चमक, जंगल के रंग दिखाई देते हैं, और मैं इसे वापस छीन लेना चाहती हूँ। लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहती। मैं देखती हूँ कि लड़की ने उस मार्बल को अपनी मुट्ठी में कसकर बंद कर लिया है, और फिर अंकल फ्रैंक मुझे झटके से अपनी ओर खींच लेते हैं।

मैं पीछे मुड़कर उसे एकटक देखती हूँ। वह मार्बल को निहार रही है, और फिर अपना सिर उठाकर मुस्कुराते हुए चुपके से हाथ हिलाकर मुझे अलविदा कहती है।

मैं भी धीरे से अपना हाथ हिलाकर उसे अलविदा कहती हूँ।

अंकल फ्रैंक के चेहरे पर गुस्से की लकीरें साफ़ दिख रही हैं। "क्या तुम बिल्कुल पागल हो, लड़की? वे कहते हैं। "दुश्मन के साथ दोस्ती बढ़ा रही हो!"

"कौन कहता है कि वह दुश्मन है?" मैं बुदबुदाती हूँ।





हम स्कूल पहुँचते हैं और मैं अपनी मेज पर बैठती हूँ और मिस गैलाघेर पूछती हैं कि क्या हम ठीक हैं।

"हम ठीक हैं, मिस गैलाघेर," हम कहते हैं और वह सिर हिलाती है, पूरी गंभीरता से, और कहती हैं, "आप सभी आयरिश नायक हैं।”

मैं खिड़की से बाहर देखती हूँ। वह किस बारे में बात कर रही है? मैं हीरो जैसा महसूस नहीं करती। मैं बस इतना जानती हूँ कि मेरी मुलाकात एक प्रोटेस्टेंट लड़की से हुई जो अच्छी थी। उसने कहा कि उसे इस लड़ाई से नफरत है और मुझे भी। मुझे लगता है कि अगर मौका मिले तो हम दोस्त बन सकते हैं। मुझे इस पर पूरा विश्वास है।

यदि बड़े लोग हमें अनुमति दें।



लेखक की कलम से ....

यह पुस्तक कई वर्ष पहले उत्तरी आयरलैंड के प्रमुख शहर बेलफ़ास्ट में हुई एक दुखद घटना से प्रेरित थी। शत्रुतापूर्ण प्रोटेस्टेंटों के एक समूह ने कैथोलिक बच्चों को स्कूल जाते समय परेशान किया।

बच्चे "प्रोटेस्टेंट क्षेत्र" से होकर जा रहे थे।

उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के बीच संघर्ष सदियों पुराना है। अधिकांश लोग शांति से रहना चाहते हैं। लेकिन दोनों पक्षों के चरमपंथियों ने "समस्याओं" को जीवित रखा। एलीसन एक आसानी से प्रोटेस्टेंट बच्ची हो सकती थी, जो कैथोलिक पड़ोस से होकर स्कूल जा रही थी।

इन "परेशानियों" के कई वर्षों के बाद, जून 2007 में एक शांति समझौते पर सहमति बनी। हम उम्मीद करते हैं कि यह शांति कायम रहेगी और इस पुस्तक जैसी घटनाएं अतीत की बात हो जाएँगी।